Publication	Punjab Kesari
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	01
Date	29th June 2018

पंजाब केसरी

रक्तदान शिविर लगाया

गुरुग्राम, एमके अरोड़ा (पंजाब केसरी): सामाजिक दायित्वों का निर्वाह करते हुए वाटिका ग्रुप द्वारा रक्तदान शिविर में 540 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। 7 दिवसीय रक्तदान शिविर गुरुवार को समाप्त हो गया। इसमें लोगों को थैलीसीमिया बीमारी के प्रति भी जागरूक किया गया। नेशनल थैलेसिमिया वेलफेयर सोसाइटी की नीरजा ने कहा कि थैलेसीमिया एक वंशानुगत रक्त विकार है, जिसमें सामान्य हेमोग्लोबिन कोशिकाओं की कमी और उत्पादन इसकी विशेषता है, जबकि शरीर में खून की कमी होने से एनीमिया का शिकार होना भी संभव है।

Publication	Gurgaon Today
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	02
Date	29th June 2018

गुड़गांव टुडे

रक्तदान शिविर में 540 यूनिट रक्त एकत्रित

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम। जिंदगी जीने के लिए रक्त का क्या महत्व है उसको हम भलीभाति जानते है। थैलेसीमिया पीड़ितों के लिए वाटिका ग्रुप के प्रबंधन संस्थान एनवायरो और नेशनल थैलीसिमिया वेलफेयर सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे तीन साप्ताहिक रक्तदान शिविर का कल समापन हो गया। जिसमे 540 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। एनवायरो द्वारा आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य थैलेसिमिया जैसी गंभीर और लाईलाज बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाना।

इस अवसर पर नेशनल थैलेसिमिया वेलफेयर सोसाइटी की सुश्री नीरजा ने कहा कि थैलेसीमिया एक वंशानुगत रक्त विकार है, जिसमें सामान्य हेमोग्लोबिन कोशिकाओं की कमी और उत्पादन इसकी विशेषता है, जबकि शरीर में खून की कमी होने से एनीमिया का शिकार होना भी संभव है। थैलेसीमिया के दो मुख्य प्रकार हैं, अल्फा और बीटा। पिछले साल के ताज़ा आकड़ों के मुताबिक, विश्व में 280 मिलियन लोग इस बीमारी से ग्रसित है। इस अभियान के ज़रिये ज्यादा से ज्यादा लोगों को थैलेसिमिया के बारे में जागरूक करना है। साथ ही हम सबको शादी से पहले इससे जुड़े टेस्ट करवाने की कदम उठानी चाहिए।

यह रक्तदान शिविर विभिन्न स्थानों जैसे : वाटिका बिज़नस पार्क, वाटिका एट्रियम, वाटिका ट्रायंगल, वाटिका टावर इत्यादि जैसी जगहों पर आयोजित किया गया। रक्तदाताओं में जूस, पानी और स्नेक्स भी वितरित किये गये।

रक्तदान करने वाले निश्चल छाब्रा ने कहा कि अक्सर थैलेसिमिया के बारे में सुना और पढ़ा ज़रूर था परंतु उससे अन्जान था। मै एनवाइरों का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हु जिससे हमें थैलेसिमिया के बारे में जानने का मौका मिला। इस साल के अंत तक में शादी करने वाला हूँ और मैं और मेरी होने वाली पत्नी दोनों थैलेसिमिया से संबंधी जाँच की प्रक्रिया को पूर्ण करेगें। मुझे खुशी है की मैंने तीसरी बार रक्तदान किया और आगे भी करता रहूंगा।

तीन सप्ताहिक चले इस रक्तदान शिविर का आयोजन 8 जून को हुआ था और कल 27 जून को समापन हुआ।

Publication	Human India
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	03
Date	29th June 2018

हिन्दी दैनिक ह्यूमन इंडिया
हम बोलेंगे आपकी आवाज़

तीन सप्ताहिक रक्तदान शिविर में 540 यूनिट रक्त एकत्रित

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। जिंदगी जीने के लिए रक्त का क्या महत्व है उसको हम भलीभाति जानते है। थैलेसीमिया पीड़ितों के लिए वाटिका ग्रुप के प्रबंधन संस्थान एनवायरो और नेशनल थैलीसिमिया वेलफेयर सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे तीन साप्ताहिक रक्तदान शिविर का कल समापन हो गया जिसमे 540 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया एनवायरो द्वारा आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य थैलेसिमिया जैसी गंभीर और लाईलाज बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाना। इस अवसर पर नेशनल थैलेसिमिया वेलफेयर सोसाइटी की सुश्री नीरजा ने कहा कि थैलेसीमिया एक वंशानुगत रक्त विकार है, जिसमें सामान्य हेमोग्लोबिन कोशिकाओं की कमी और उत्पादन इसकी विशेषता है, जबकि शरीर में खून की कमी होने से एनीमिया का शिकार होना भी संभव है।

थैलेसीमिया के दो मुख्य प्रकार हैं, अल्फा और बीटा पिछले साल के ताज़ा आकड़ों के मुताबिक, विश्व में 280 मिलियन लोग इस बीमारी से ग्रसित है। इस अभियान के ज़रिये ज्यादा से ज्यादा लोगों को थैलेसिमिया के बारे में जागरूक करना है। साथ ही हम सबको शादी से पहले इससे जुड़े टेस्ट करवाने की कदम उठानी चाहिए।

यह रक्तदान शिविर विभिन्न स्थानों जैसे : वाटिका बिज़नस पार्क, वाटिका एट्रियम, वाटिका ट्रायंगल, वाटिका टावर इत्यादि जैसी जगहों पर आयोजित किया गया। रक्तदाताओं में जूस, पानी और स्नेक्स भी वितरित किये गये। रक्तदान करने वाले निश्चल छाब्रा ने कहा कि अक्सर थैलेसिमिया के बारे में सुना और पढ़ा ज़रूर था परंतु उससे अन्जान था। मै एनवाइरों का तहे दिल से आभार व्यक्त करता हु जिससे हमें थैलेसिमिया के बारे में जानने का मौका मिला। इस साल के अंत तक में शादी करने वाला हूँ और मैं और मेरी होने वाली पत्नी दोनों थैलेसिमिया से संबंधी जाँच की प्रक्रिया को पूर्ण करेगें मुझे ख़ुशी है की मैंने तीसरी बार रक्तदान किया और आगे भी करता रहूँगा। तीन सप्ताहिक चले इस रक्तदान शिविर का आयोजन 8 जून को हुआ था और कल 27 जून को समापन हुआ। वही गुरुग्राम वासियों के तरफ से काफी संख्या में भगीदारी देखने को मिली जिसका संकेत है की गुरुग्राम के निवासी थैलीसिमिया जैसे गंभीर बिमारी से काफी जागरुक हुए है।